stations and at other places. Sir, money is there.

MR. CHAIRMAN: Mr. Minister, money may be there, but the point is whether serious starvation deaths have been reported or not.

SHRI YERRAN NAIDU: No, Sir.

MR. CHAIRMAN: When TV has been quoted, something more serious has to be done.

THE PRIME MINISTER (SHRI H.D. DEVE GOWDA): Mr. Chairman, Sir, particularly on this issue, let us take a non-political stand. I request the hon. Chairman to send a team there. (*Interruptions*)

डा० जगन्नाथ मिश्र: इसके लिए हाउस कमेटी बनाइए।

SHRI H.D. DEVE GOWDA: I am myself suggesting: please send a team to find out what action we have taken in the last nine months so far as the areas affected by drought are concerned. After my visit, we have released not only Rs. 50 crores, but we have also released Rs. 136.5 crores, irrespective of the money which had been released earlier, which was not spent. I do not want to make any comment; I do not want to mix politics. What was the money that was released, whether it has been spent or not spent—I am not going to make a big noise on that. But after my visit, I have released Rs. 136.5 crores upto to 10.2.97 under different categories of the Rural Development programme. And in addition to that, under the National Calamity Fund, we have released Rs. 50 crores. How much money we have spent, how much money is yet to be spent and whether money is the problem for providing employment, all these things the House Committee can study and submit a report to this House.

MR. CHAIRMAN: I accept the suggestion to send a House Committee.

SHRI SATISH AGARWAL: Thank you very much.

Setting up NABI Nagar Super Thermal Power Station in Bihar

*262. DR. JAGANNATH MISHRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to set up Nabi Nagar super thermal power station in Bihar;

(b) if so, the details thereof;

(c) by when the work is proposed to be started; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) Government of India had decided to set up a 2000 MW coal based Mega Power Project at Nabi Nagar in Bihar. Global tenders were invited by the Power Grid Corporation of India. On behalf of Ministry of Power, for 'pre-qualification' of project developers. In response to the global tender eight parties bought the bid documents. Tenders for pre-qualification of developers were to be submitted/ opened onthe 28th of November, 1996. Howeyer, due to clarifications sought by the prospective bidders regarding the availability of coal from the linked mine block and its commercial viability the bid submission/opening has been deferred. No bids were submitted.

(c) and (d) Implementation of the project is expected to commence during the Ninth Five Year Plan.

डा० जगन्नाथ मिश्र: सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि भारत सरकार की यह निर्धारित नीति है कि मेगा प्रोजेक्ट के अन्तर्गत जिन स्थानों में कोयले की उपलब्धता है वहां पर थर्मल पावर स्टेशन बनाए जायें और उस स्कीम के अन्तर्गत नबीन नगर में दो हजार मेगावाट विद्युत केन्द्र स्थापित करने की अनुमति तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 1989 में

दी थी। उस समय से लेकर अभी तक जिस कार्य का जिक्र उत्तर में हुआ है— बड़ी दुखद बात है कि पिछले वर्षों में जो कार्य इसमें होना चाहिए था वह नहीं हुआ और अभी हाल ही में 28 नवम्बर को टेंडर आने के बाद जो नेगोसियेशन हुआ है वह स्पष्ट नहीं करता है कि धन का उपबंध क्या होगा, सोर्स फाइनेंसिंग का क्या होगा, सरकार करेगी, निजी क्षेत्र करेगा या अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थायें करेंगी, कहां से धन का आबंटन होगा और यह स्कीम कैसे चलेगी। सभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि बिहार एक ऐसा राज्य है जहां पर विद्युत में केन्द्रीय निवेश सबसे कम अभी तक हुआ है। बिहार में अभी भी प्रति व्यक्ति ऊर्जा की खपत की औसत बहुत नीचे है, बहुत कम है। आठवीं योजना में जहां 476 अतिरिक्त मेगावाट का लक्ष्य निर्धारित हुआ था अभी तक उसकी प्रगति अत्यन्त ही असंतोषप्रद है। इस संदर्भ में मैं जानना चाहता हूं कि नबीन नगर के लिए आप धन की व्यवस्था कहां से करेंगे? सरकार करेगी, निजी प्रतिष्ठान करेगी। अभी प्रधान मंत्री ने जो विद्युत के संबंध में उदारीकरण की बात की है क्या उसके अंतर्गत बिहार के इस नबीनगर को भी सम्मिलित किया जाएगा?

DR. S. VENUGOPALACHARI: Mr. Chairman, Sir, the United Front Government is committed to the generation of power as well as its distribution. After launching the Mega Power Policy, the previous Government had conducted some survey. So far as investment is concerned, it would be only from the private sector. As the hon. Member said, on the 28th November some parties have submitted bids for prequalification. After the notification, some prospective bidders have raised doubts regarding availability of coal. Accordingly the Ministry of power have identified this problem and have written a letter to the Ministry of Coal. Recently the Ministry of Coal have identified three blocks based on their report. The Ministry of Power is examining matter whether we have to restrict this to the old bidders or they have to invite new tenders. The investment would be made only by the private parties.

डा० जगन्नाथ मिश्र: सभापति जी, मैं यह जानना चाहता हूं कि प्राइवेट पार्टीज़ के बारे में भारत सरकार की क्या सोच है, किन से इनके संपर्क हुए हैं, किनसे संभावनाएं हो रही है? केवल यह कहना कि निजी क्षेत्र को दिया जाएगा, स्पष्ट नहीं होता है। जो अनिश्चितता अब तक बनी हुई थी वह आगे भी बनी रहेगी, जब तक यह रेखांकित नहीं हो जाता है कि किनके माध्यम से इस प्रोजेक्ट को चलाया जाएगा। साथ-साथ हम यह भी जानना चाहते हैं कि बिहार में जब कोयला का भंडार है और हम देश को वहां से कोयला की आपूर्ति करते है उसे रेखांकित करने में, निर्धारित करने में, आवंटित करने में भारत सरकार की क्या कठिनाई हो सकती है? साथ-साथ हम यह भी जानना चाहेंगे कि नबीनगर के अलावा वहां पर और भी अनेक मेगा प्रोजैक्ट बनाए जा सकते हैं क्योंकि प्रचुर मात्रा में वहां पर कोयले की उपलब्धता है? जिस तरह से बिहार ऊर्जा के मामले में पिछड़ गया है पिछले वर्षों में उसकी पूर्ति आगे के दिनों में कैसे करेगी, क्योंकि मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि नवीं योजना में सम्मिलित होने की संभावना है, स्पष्ट आश्वासन नहीं कि नाईन्थ प्लान में भी इसको सम्मिलित करने जा रहे हैं। जो अंतिम पंक्ति इनका है कि इस परियोजना का कार्यान्वियन नवीं पंचवर्षीय योजना में शुरू होने की प्रत्याशा है, जो अस्पष्ट है। इसलिए सदन को आश्वस्त करे कि नवीं योजना में निश्चित रूप से इस योजना को प्रारंभ करेंगे, कोयला को रेखांकित कर देंगे और निजी क्षेत्र में भी निर्धारित कर देंगे कि कौन करेगा, इस संबंध में मंत्री जी की क्या सोच है और क्या निर्णय है?

DR. S. VENUGOPALACHARI: Mr. Chairman, Sir, we would like to assure on the floor of the House that this project would be taken up and would be commissioned during the Ninth Five Year Plan. In response to the notification for "Prequalification" of prospective developers issued by Power Grid, eight parties purchased the bid documents. These are as follows:

1. Marubeni Corporation, Tokyo, Japan.
2. Rio-Tinto Minerals Development Ltd., New Delhi.
3. Tata Hydroelectric Power Supply Co., Andhra Valley Power Supply Company Ltd., Tata Electric Power Company, Mumbai.
4. PowerGen Pic., London.
5. Basic Resources, Taxas, USA.
6. Reliance Industries Ltd., New Delhi.

7. Korea Heavy Industries and Construction Co. Ltd., Mumbai.
8. Consolidated Electric Power Asia Ltd., Hong Kong.

These eight bidders have participated in this tender. They have expressed some doubts about availability of coal. After that the Ministry has not opened the bid. Now, the Ministry is examining the matter. As the Prime Minister said, our Government would complete all the power projects in the private sector which have been committed by the previous Government. This Government is also committed to take up the Nabi Nagar super thermal power project during the Ninth Five Year Plan.

श्री जलालुदीन अंसारी: सभापति महोदय, खुशी की बात है कि माननीय मंत्री जी ने सदन को आश्वासन दिया है कि नवीन नगर मेगा थर्मल प्रोजेक्ट को नौवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किया जाएगा। महोदय, बिहार के अंदर ऊर्जा संकट बहुत जबर्दस्त है और अभी तक बिडर्स को इनवाइट नहीं किया है, वे डिफर कर गए हैं। मेरा कहना है कि जिस प्राइवेट कंपनी को आप चाहते हैं उसे निश्चित कर के उस से बिड लेकर इस प्रोजेक्ट के कार्यान्वयन को शुरू कराएं।

अब जहां तक कोयले की उपलब्धता का सवाल है तो हम लोग तो बिहार से दूसरे राज्यों को कोयला देते हैं और बिहार में तापघर के लिए कोयले की कमी हो, मैं समझता हूं कि यह उचित कारण नहीं है जबकि सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना में ही नवीन नगर तापघर को बनाने का निर्णय लिया था, लेकिन यह पूरा नहीं हो सका। सभापति महोदय, मैं चाहूंगा कि इस में जिन कारणों से विलंब हो रहा है, उन कारणों को दूर कर के नवीन नगर ताप बिजली घर की स्थापना की दिशा में माननीय मंत्री जी ठोस कदम उठाएं और जिन कारणों से विलंब हो रहा है, उन कारणों को दूर करें। महोदय, यह हमारे लिए खुशी की बात है कि मंत्री जी ने आश्वासन दिया है कि नौवीं पंचवर्षीय योजना में इस प्रोजेक्ट को लेंगे। मैं चाहूंगा कि इसे अवश्य लें और उस के काम को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक धन, चाहे वह निजी कंपनी से हो या सरकारी धन हो, दोनों माध्यमों से लेकर नवीन नगर तापघर को चालू करें। यही मेरा आप से निवेदन है।

†شری جلال الدین انصاری: سبھاپتی مہودے۔ خوشی کی بات ہے کہ مانیہ منتری جی نے سدن کو آشوا سن دیا ہے کہ "نوین نگر میگا تھرمل پروجیکٹ" نوویں پنچ ورشیہ یوجنا میں شامل کیا جائیگا۔ مہودے۔ ہمارے اندر "اوور جا سنکٹ" بہت زبردست ہے۔ اور ابھی تک بڈرس کو انوائٹ نہیں کیا گیا ہے۔ وہ ڈفر کر گئے ہیں۔ میرا کہنا ہے کہ جس پرائیویٹ کمپنی کو آپ چاہتے ہیں اسے نشچیت کر کے اس سے بڈ لیکر اس پروجیکٹ کے "کارباریوں" کو شروع کرائیں۔ اب جہاں تک کوئلے کی پیداوار کا سوال ہے تو ہم لوگ تو بہار سے دوسرے راجیوں کو کوئلہ دیتے ہیں اور بہار میں تاپ گھر کیلئے کوئلہ کی کمی ہو۔ میں سمجھتا ہوں کہ یہ اوچت کارن نہیں ہے۔ جبکہ سرکار نے آٹھویں پنچ ورشیہ یوجنا میں ہی "نوین نگر تاپ گھر" بنانے کا نرنے لیا تھا۔ لیکن وہ پورا نہیں ہو سکا۔

سبھاپتی مہودے۔ میں چاہونگا کہ اسمیں جن کارنوں سے دیر ہو رہی ہے ان کارنوں کو دور کرکے "نوین نگر تاپ بجلی گھر" کے استھاپنا کی دشا میں مانیہ منتری جی ٹھوس قدم اٹھائیں اور جن کارنوں سے وِلمب ہو رہا ہے ان کارنوں کو دور کریں۔

†[ ]Transliteration in Arabic Script

مہودے - یہ ہمارے لئے خوشی کی بات ہے
کہ منتری جی نے آشواسن دیا ہے کہ نوین پیچ
ورشی یوجنا میں اس پروجیکٹ کو لیا جائے
میں چاہوں گا کہ اسے ضروریں اور رکے
کام کو کاریانوت کرنے کیلئے "آوشیک دھن"
چاہے وہ نجی کمپنی سے ہو یا سرکاری دھن
ہو دونوں مادھیموں سے لیکر "نوین نگر
تاپ گھر" کو چالو کریں - یہی مرا آپ سے
نویدن ہے

DR. S. VENUGOPALACHARI: Yes, Sir. The Government will take urgent action to complete the Nabin Nagar mega project. The question is not the availability of coal, but the identifying of one of the coal blocks for the private entrepreneurs. Recently, we have identified three blocks as I said in my earlier reply. Again I assure you that definitely we will consider it actively.

SHRI PRANAB MUKHERJEE: Sir, the hon. Minister, in his statement, has pointed out that the bidders raised some questions about the coal linkage with this project. So far as a thermal power plant is concerned, the most preliminary thing is to identify the coal linkage and also to determine the commercial viability of that linkage. And we are having a large number of thermal power plants. We have developed enough expertise in this area. When you are inviting bid for pre-qualification, why could you not give this preliminary information to the prospective bidders? For us, this is not something new. We are establishing thermal power plants. Almost every year, a few thousand megawatts are being added. Therefore, we have this expertise. My question is, when the bid was to be opened on 28th November, suddenly before that, did they come up with the queries about the commercial viability of the coal linkage which you had to find? Could not these things be done sufficiently early so that this time lapse could be avoide?

The second question is this. In the statement, it is said that it has been deferred. To what date has it been deferred? The first deadline was 28th November. Surely, by this time-we are in March, 1997 you have satisfied the queries which they have. You have to give the deadline by which you are going to open the tenders and take decisions and identify the bidders who are qualified for the pre-tender.

DR. S. VENUGOPALACHARI: Earlier, the coal block was also identified by the Coal Ministry. But the bidders have different perceptions about the viability of the block. That is why the bids are not opened. After several discussions and a number of meetings held by various officers at the Ministry level, again the Coal Ministry has given a letter on the three blocks identified. Again we assure you that as early as possible, we will call the RFQ and complete the procedure and call the tenders.

श्री एस०एस० अहलुवालिया: सभापति महोदय, नवीन नगर का यह ताप विद्युत केन्द्र हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का सपना था। उन्होंने ही इसकी शुरूआत की थी। सारी चीजों की उपलब्धता को मद्देनजर रखते हुए इसकी योजना बनाई गई थी। औरंगाबाद जिला चूंकि हजारीबाग जिले से सटा हुआ है, इसलिए कोयला वहां नजदीक से मिल सकता है। महोदय, आज टेंडर जमा होने के बाद उनके मन में यह संशय पैदा हो रहा है कि कोयला मिल सकेगा या नहीं मिल सकेगा। हमारे कोयला मंत्रालय ने भी निर्णय लिया है कि केप्टिव पावर यूनिट के लिए कोयला खदान लीज़ पर दिए जाएंगे।

महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इनके विभाग ने हजारीबाग के किन-किन कोयला खदानों को इस ताप विद्युत बिजलीघर को चलाने के लिए लीज़ पर दिया है या कोयला मंत्रालय ने कौन-कौन सा इलाका उनको देने की बात सोची है? महोदय, यह पड़ोसी जिला

है, यहां पर रेलवे लिंक की भी जरूरत नहीं है, सड़क के द्वारा कोयला आ सकता है या रोप-वे के द्वारा भी कोयला आ सकता है। यह बहुत फीज़ेबल प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट में कोयले की उपलब्धता के बारे में संशय होने से इस टेंडर को रोका जा रहा है, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने कोयला मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठकर इस बारे में कोई विचार-विमर्श किया है? अगर किया है तो सदन को बताइए।

DR. S. VENUGOPALACHARI: *Sir*, our officials are holding regular meetings with the officials of the Coal Ministry. They have had several meetings, and after a detailed discussion, they have identified three blocks, that is, one at Dumargarh, the second one at Karimatti and the third one at Shergara. After identifying these blocks, the Power Grid officials with the help of the Ministry officials are processing the tenders. As soon as we complete the process, we will commence the work.

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एन०टी०पी०सी०) की गैस तथा कोयला आधारित विद्युत परियोजनायें

*263 **श्री रामजीलाल:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम द्वारा गैस तथा कोयला आधारित कितनी विद्युत परियोजनायें स्थापित की गयी हैं और उनका राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) देश में विद्युत की कमी को ध्यान में रखते हुए नौवीं पंचवर्षीय योजना हेतु राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम की योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF POWER (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) National Thermal Power Corporation (NTPC) has set up eleven (ii) coal based power stations (including two running stations acquired from States of Uttar Pradesh and Orissa) with a total installed capacity of 13620MW and five (5) gas based combined cycle power projects with a total installed capacity of 3175 MW. The statewise details in respect of these are given in the statement-I (*See* below).

(b) A capacity addition programme of about 6000 MW has been tentatively proposed for NTPC for the 9th Plan period.

Statement-I

Details of NTPC's Projects

1. *Coal based Projects*

Capacity (MW)

Sl. No.	Project	State	Approved	Commissioned
1.	Singrauli STPP	UP	2000	2000
2.	Rihand STPP-I	UP	1000	1000
3.	NCTPP-Dadri	UP	840	840
4.	Unchahhar TPP-I*	UP	420	420
5.	Korba STPP	MP	2100	2100
6.	Vindhyachal STPP-I	MP	1260	1260
7.	Ramagundam STPP	AP	2100	2100
8.	Farakka STPP-I&II	WB	1600	1600
9.	Kahalgaon STPP-I	Bihar	840	840
10.	Talcher STPP Stage-I	Orissa	1000	1000
11.	Talchar TPS	Orissa	460	460
	Total (Coal)		13620	13620